तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 096,
June. 2020

इस मेह्‌ने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड्‌डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

क्र.	विषय सूची	पृ.
1	कोरोना वाइरसे टेमे	2
2	सलाह	3
3	गरीब	4
4	किट्‌टी	5
5	गीहा बाहरी न निसे	6
6	देशे लिए यक मन्त्र	6
7	खरी गले गपे	7
8	कंजूस बुढी कथा	8
9	कतु खरु असु में ग्रां	10
10	शुरुवात अपफ केआं करे	12
11	चुटकले	13

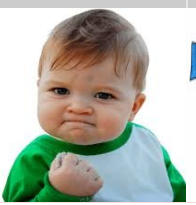

कोरोना वाइरसे टेमे कुछ आदत/लिआगत

- पूरा टबरे बदले, सद यके मेह्णु बाजार घिए त खरिददारी करे।
- भीड़ भाड़ ईलाके त दुकान केईंआ दूर रिहे।
- बाजार अन्तर मेह्णु केईंआ कम से कम छे फीट दूरी बणाई रखे।

- होरी जुए साते भुन्ते टेम हमेशा अपु मुँह पुठ मास्क लाई रखे।
- बेवजह कोई भी समान ना छुए।
- भीड़भाड़ केआं बचुण जे बाजार ईं टेम घेणे करे, जपल भीड़ कम भुन्ता।
- सामान गी आण कड़ कुछ देर बाहर रखे, त बगैर हात खुर त मुँह धुए गी अन्तर ना घिए, होर ना केस छुए।

- हमेशा साबुण या सेनिटाइजर जोई हाथ साफ करे। कोरोना संक्रमण भुणे कोई बि लक्षण केएण लगे त बखरे बिशे, होर हस्ताड़ घेई कड़ अपफ जाँच कराण दिए।

भारत देशे सचा नागरिक बणे, जिम्मेबार बणे।
अगर अस बणते जिम्मेबार, त कोरोना वाइरसे भुन्ति बुरा हाल।

विषय सूची

सलाह

बोक सुआ पुराणी भो। यक सुआ अमीर मेहणु थिया। यक रोज से अमीर मेहणु अजागता बिमार भोई गा। तसे कुआ केस होरे शेहर गओ थिया। अमीर मेहणु नौखर तसे शरांत बिशो थिया। जपल अमीर मेहणु हालत सुआ बिगड़ती गई त तेन झठ यक वसीयत लिखाई कि- "मैं मरण केआं पता सोब जौ-जायदाद त खजाने मालिक में नौखर भुन्ता। पर सोब जौ-जायदाद अन्तरा कोई बि यक चीज में कुआ पैठ कइ एईयाल त नौखर केआं मगी सकता।"

ईं शुण कइ नौखर सुआ खुश भुआ त से तसे कुआ एण भाड़ बिशा। केहि रोजे पता जपल अमीर मेहणु कुआ गी आ त से अपु बोउए वसीयत हेर कइ उदास भोई गा। तेस किछ बि समझ न थी एण लगो कि ईं कोऊं से यक चीज भो जे तेस मेईं सकती।

जपल तेस किछ बि समझ न आऊ त से शेहरे यक खरे सलाह मशवरा देणे बाड़े केईं गा। तेन तेस सलाह बाड़े जे अपु बोउए वसीयते बारे बताऊ।

सोब बोक शुण कइ सलाह देणेबाड़े हसु त बोलु, "तें बोउ सचे बि सुआ अक्लदार थिया। अब तु झठ घेई कइ यक चीजी जगाई तेस नौखर मगी छड़।" अमीर मेहणु कोईए तिहांणि किऊ त सोब जौ- जायदाद जुओई साते तेस नौखरे बि मालिक बणी गा।

विषय सूची

गरीब

कमजोर लकड़ ईं
हेरण जे मरो ईं
चीरिए चालण त टलि छओ कमीरि
जीं टी बी ए मरीज ईं।
से मेह्णु....
में ग्रांए कुस्तरे जाए भेएड़, सीबरे बोडे पाईप अन्तर बिश्ता।
कोई न जाणता कि से कपल एन्ता त कपल घेन्ता।
की खांता, की पींता?
छड़ीणे ईं ठनियार अन्तर
बि मेईं से यके चीरिए
चदूरु अन्तर उंघो कॉओ
असा।

यक रोज तेस खुश हेर कइ,
मेईं उतबली कइ झठ तेस केआं
पूछ छऊ कि भाई की बोक असी?
आज सुआ खुश नजर
एण लगो असा।
अउं हेरण लगो असा कि तें चेहरे
पुठ खरी रौनक अओ असी।
कि कोठि नियोको धन
मेओ असा ना, बे?
इ शुणते ईं मोउं लगु कि से जीं तड़फी गा।
जीं तसे कच्ची घा पुठ कनि हथ रख छड्या।

विषय सूची

फि तेन अपु पीए दंत कीढ़े त लेहरी कइ बोलु, 'बाबु जी, अउं तुसी सची बोक बतांता। अउं गरीब असा। में मजाक न उड़ाए।

नेई मेओ मोउं कोई खजाना, होर न मोउं कोई नियोको धन मेओ असा।

मेईं त आज सब्जी जुओई पेठ भरी कइ रोटी खो असी।

किटटी

नमस्ते जी, अउं भो किटटी। आज अउं बतांती कि असी बुटी केआं की की फाइदा भुन्ता। बुटे हेन्दे शोलियार देन्ते। त हेन्दे फल देन्ते, जे हें लिए सुआ फाईदे बाड़े असे। बुटे हेन्दे सब्जी बि देन्ते। सोबी केआं खास बोक ईं असी कि बुटे हेन्दे ऑक्सीजेन देन्ते, जेसे बेलि अस जीन्ते रेहंते। ए मेंघे लाण जे बि मदत कते। ए हड़ अन्तर पाणि छल्हारी केआं बि असी बचांते। ए हें घर बणाणे कम बि एन्ते। होर बि सुआ जगाई बुटे हें कम एन्ते। फि किस अस एन्हि कटि कइ अपु मौत अपु भेएड़ आहण्ते। किस न अस बुटे लाऊं त अपु जिन्दगी सुखी बणाऊं।

विषय सूची

गीहा बाहरी न निसे

बेवजहा गीहा बाहर निसणे जरुरत की असी?

मौत जुओई नजर मियाणे जरुरत की असी?

सोबी पता असा बाहरी बियारी मारणे बाड़ी असी?

ईहांणि मौत जुओई टक्कर नेणे मकसद की असी?

जिन्दगी यक भगवाने दुतो नेमत असी,

एस सम्हाड़ी कइ रखे।

दिल बहलाण जे गी अन्तर बजहा सुआ असी।

ईहांणि गैहाई गैहाई भटकणे की जरुरत असी?

अपु गी बिशे ताकड़े बिशे।

देशे लिए यक मत्र

अपु बचाव करणे बेलि ईं देशे बचाव भोई सकता,
अपु अपफ बदलाव करणे बेलि ईं देश अन्तर
बदलाव भोई सकता,
अपु चौकसी करणे बेलि ईं
देशे रक्षा भोई सकती,
समाजिक दूरी रखणे बेलि ईं
कोरोना वाइरस हें देश
केआं दूर भोई सकता।

विषय सूची

खरी गले गपे

हर कोई जेईं कुई जे बोते कि कदी गीहे इज्जत खराब ना कर। पर कुआ जे ईं किस ना बोते कि कदी केसेरी गीहे इज्जत जुओई खिलवाड़ ना कर।

यक मतरे होर मतर केआं पुछु, "मतरे मतलब की भुन्ता?" मतरे मुस्कराई कइ जवाब दता, पागल यक मतरे ईं त भुन्ता जेसे कोई मतलब न भुन्ता। होर जेठि मतलब भुन्ता तठि कोई मतर न भुन्ता।

स्वर्ग अन्तर सोब किछ असु, पर मौत नेई। ग्रंथ अन्तर सोब किछ असु, पर झूठ नेई। संसार अन्तर सोब किछ असु, पर शांति नेई। इन्सान अन्तर सोब किछ असु, पर सबर नेई।

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

धिक सोचे

विषय सूची

कंजूस बुढी कथा

बोक सुआ पुराणी भो। यक ग्रां यक बुढी थी। से अपु गी अकेली भुन्तीथ। तसे होर कोई ना थिया। से बुढी सद कपले कपले अन्तर रोटि शाग बणान्तीथ। बाकि होरे कम जे से ओती कोती बइ मेहणु हक दी दी कइ भिआन्तीथ, पर से बुढी सुआ कन्जूस थी त केसे यक भुरुक पुओणि पियाई कइ मेहणु तसे कम करण जे एन्त पुओणि बि न पियान्तीथ। पतीयान्तीथ। बुढी ईं चाल हे तसे कम करण जे ना घेन्ता थकि घेन्तीथ। पर कोई जेईं

ऑ, अगर कोई जेईं तसे दुआरे बइ गा त बुढी टाई टुइ कइ तेन्हि भीं रखतीथ त चेरे तकर बोकी बश घेन्तीथ। पर यक भुरुक पुओणि बि न पियान्तीथ। ऑ जिखेईं मेहणु घेण लगे, तिखेईं बुढी बोतीथ "बिशे बे, अउं चाह बणान्ती। पर मेहणु तसे पता थिया कि बुढी रोज के ईहांणि बोती, पर चाह केसे न पियाती।

तोउं केहि रोज पता यक मेहणु तसे दुआरे बइ घेण लगो थिया त बुढी तेस जे हक दीती "ईए आई, भीं बिश।" से मेहणु खरा चलाक थिया त बुढी अन्तर घेई गा। तोउं बुढी तेस जुओई बोकी लगी, लगी त सऊ दी टेमी बि पता न लगा। तोउं चेरे भोई गोऊ त तेन मेहणु बोलु "बस, अउं घेन्ता।"

विषय सूची

तसे बोक शुण कइ बुढी फि बोलुण लगी, “अउं धिक तोउ जे चाह बणाती। दे बे कोईया मोउं केईं किछ समान नेई कि करण, लुण पिपी पिहिणे बती त न दियल तेन्हे?” तेस मेह्णु बुढी पूरा पता थिया कि बुढी कति कन्जूस असी। ए ईं त किछ न देन्ती। तोउं तेन मेह्णु बोलु “बे बुढी मईंए, ठीक असी। आज अउं बती खान्ता, तोउ केईं बती असी ना?” बुढी बोलु “ऑ बे कोईया, बती के त कोई ढेईं असा। पर तु एस बती कीं खांता।” तेन मेह्णु बोलु “अउं एस कीं खांता, मईंए तु हेरी बिश त पेहले एस बती धोई कइ इए दे त यक लंसुड़ बि दे।” बुढी बती धोई दीति त यक लंसुड़ बी दितु।

तेन मेह्णु अगी आग जाई त लोउस अन्तर बती त पुअणी छई कइ उधाण पुठ छई छऊ। जिखेईं लोसुड़ लुख आई त तेन मेह्णु बोलु, “धिक भइ चऊ भुन्तेथ त कि केहणा थिआ।” तोउं बुढी बोलु, “मोउं केईं चऊ असे, अउं घिन एन्ती।” बुढी चऊ घिन आई त तेन मेह्णु चऊ धोई कइ लोउस अन्तर छई छड़े। जिखेईं चऊ लुखि गे त तेन मेह्णु बोलु,

“धिक भइ दुध भुन्तुथ त की खरु भुन्तुथ।” तोउं बुढी बोती “मोउं केईं दुध असु, अउं दुध देन्ती।” तोउं बुढी दुध दुतु त तेन मेह्णु दुध चोईं बुच छई छऊ। फि लंउस अन्तर लुख आई त तेन मेह्णु बुढी जे बोलु, “अगर धिक भइ खन्न भुन्तीथ त तोउं त कि मज्जा एण थिया।” तोउं फि बुढी बोलु “बे कोईया, मोउं केईं खन्न असी। अउं बेहियां खन्न घिन एन्ती।”

विषय सूची

तोउं बुढी खन्न घिन आई त तेन मेह्णु खन्न चोई बुच छई छड़ी। तोउं तेन मेह्णु लंउस अन्तर खरा चा दी कइ बती भीं कीढ़ी त चठि कइ बोलु “ऑ हा! कतो अब्बल स्वादे बाड़ी खीरण बणी। तोउं तेन मेह्णु बोलु, “बुढी मईए, भुओ खड़ी।
दुई मंगेई टा त तेईं मेईं
अपु खीर खांते।

जयसिंह चौहान

कतु खरु असु में ग्रां

आज भ्यागे जिखेईं अउं खड़ भुआ त मेईं अपु गीहे भखेरी गलेजे बइ बाहरी हेरुण लाओ थियु। तिखेईं मोउं अपु पुरु ग्रां केऊ त में मन ती अब्बल लगु किस कि आज मौसम धीक बदेआ ईं थि छिटयाण ईं लगो थिया। बाहरी पुरू नोउ घास तीं अब्बल लगण लगो थी त में नजर यकदम अपु पुरू ग्रां बठ लगी त से ती अब्बल लगण लगो थियु। किस कि तेठी सोब मेह्णु कोउं की करण लगो थिया, कोउं कि करण लगो थिया। इ बोक जेठे मेहने भो किस कि कुछ मेह्णु अपु बगी जे चूर घिन कइ नशो थीए। अगर अगर हिएटुड़ त जूण बाण, तेस केआं पता चुरे बाड़ा त तेन्हि ढेसे, फुणे बिएजु बी साते नियो थी। तेस केआं पता में ध्यान होर कना गा। मेह्णु अपु गौड़े त बकिरी ढेडुड़ घिन कइ नशो थिए

विषय सूची

ईए मोउं जे बि हक दिती त बोलुण लगी “कोईया! एन्हि गोरु बहेरी छाण।” अउं भखेरी केआं बाहरी नसा दे मेईं अन्तर घेई कइ अघलोट खोला। तेस अन्तरा ढेडुड़ बकिरी बहेरी नसण लगे। तेन्हि जोई तेन्के कियऊ त छियडु बी नसण लगे। से टाते दे चोकु अन्तर छे। तेस केआं पता मेईं से निए त अउं शुहां घे गा त सोब जेईं अपु अपु गोरू घिन अओ थिए। तेन बइ होरे मेहणु अओ थिए से बोलणु लगे कि तुं ग्रां सोबी केआं जादे ढेडुड़ बकिरी असे। मन अन्तर ती खुशी भुई कि अस सोबी केआं अब्बल जगही असे, किस कि हें ग्रां केआं पुरु कलाड़ केतु। अब अउं मन अन्तर सोचण लगा कि जीं कोई ए कलाड़े शान भो। हें इए पधरे पधरे बग असे त हें ग्रां सोबी जुओई भाईचारा यक होरी जोई खरा असा। यक होरी जोई उई मी कइ बिश्ते। हें ग्रां ठन्हु पुओणी असु। पेहले केआं त अब हें ग्रां ती अब्बल भो असु त तरक्की कना जे घेण लगो असु। तेस

किआं पता जिखेईं अउं तेस खुआब किआं बाहरी आ त अउं अपु शहाड़ गा। तेठि मेईं सुआ घेरी सब्जी लओ असी, जेस मगण जे मोउं केईं सुआ जेईं अओ थिए। अउं यक दुई शहाड़ सब्जी सोबी कें धे देन्ते गा।

विषय सूची

शुरुवात अपफ केआं करे

यक सधुबाबे आश्रम थिआ। तेस सधु दुई चेले थिए। यक रोज सधुबाबे सोचु कि आज अउं एन्के परिक्षा नेन्ता। सधु बाबे अपु दुहे चेले भिए, त तेन्हि दुहि के धे गुलाबे फियुड़ बइ भरो यक यक चहगोड़ु दिते, त बोलु "जे मेहणु तुसी दुहि हसते हसते मेईयाल त तसे धे तुसी यक गुलाबे फियुड़ु दी छाण।" ईं बोल कइ सधु बाबे से दुहे जेईं अपु अपु बत लंघाई छड़े।

ब्यादी जे दुहे चेले वापस एई गे। यक चेले चहगोड़ू पूरु कि पूरु भरोरु थियु त होर तसे चहगोड़ू पुरु शुन्नू थियु। सधु बाबे दुहि केआं पुछु त यक तेनि बोलु कि "गुरु जी जेस जगाई तुसी अउं लंघाओ थिया, तेठि कोई जेईं हसण नओथ लगो।" होरे चेले बोलु "गुरु जी जेस जगाई तुसी अउं लंघाओ थिया, तेठि त सोब हसण लगो थिए। किस कि पेहले अउं हसी कइ तेन्के हेरण लगो थिया, त से बि मोउं हसता हेर कइ हसण लगते। ईं कर कइ फि अउं तेन्के धे यक गुलाबे फियुड़ू दी छताथ। ईं कर कइ में सोब फियुड़ खत्म भोई गे।

सधु बाबे तेस चेले पीठ पुठ हथ रखा त बोलु कि सही अन्तर तेईं में ज्ञाने मतलब समझा। आज शुरुवात असी अपु अपफ केईआं करीण चाहिए।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु] जनजाति] त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंधे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

😎 मास्टर जी: रीतू, आज तु स्कूल चेरे किस आई?

रीतू: गुरु जी, मेईं गिहा दश रुपेई सिक्का आह्णतो थिआ, पर बथ से फटेई गा। अउं तेस तोपण लगो थी।

मास्टर जी: होर शिवांगी, तु चेरे किस आई?

शिवांगी: गुरु जी, मेईं से सिक्का अपु खुर पढे चिखि रखो थिआ।

😎 यक मोटे मेह्णु यक कुआ केआं पुछु: बे कोईया रवि जपल तु मोउं जतर भोल त की कता?

रवि बोलु: जी कमजोर भुणे कोशिश कता।

😎 टींझी हाथी जे: तु अपु कमीरी मेन्धे दे।

हाथि: किस?

टींझी: में कुई ब्याह असा त टेन्ट लाण असा।

विषय सूची